पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

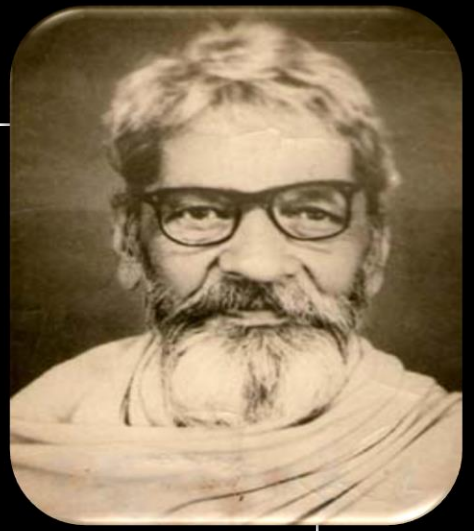

संक्षिप्त परिचय

- जन्म- 27 मई, 1894 ई०।
- जन्म स्थान- खैरागढ़ (जबलपुर)
- पिता - पुन्नालाल बख्शी
- भाषा- शुद्ध साहित्यिक खड़ीबोली
- शैली- समीक्षात्मक, भावात्मक, व्यंग्यात्मक शैली
- मृत्यु- 27 दिसम्बर सन् 1971 ई० ।
- कृतियाँ- प्रबन्ध पारिजात, पंचपात्र, पद्मवन, मकरन्द बिन्दु, झलमला, नवरात्र, शतदल, पंचरात्र, भोला आदि।

जीवन-परिचय-

बख्शी जी का जन्म 27 मई, 1894 ई० में जबलपुर के खैरागढ़ नामक स्थान पर हुआ था। इनके पिता का नाम पुन्नालाल बख्शी तथा बाबा का नाम उमराव बख्शी साहित्य प्रेमी और कवि थे। इनकी माता को भी साहित्य से प्रेम था। परिवार के साहित्यिक वातावरण के प्रभाव के कारण ये विद्यार्थी जीवन से ही कविताएँ रचते थे। बी० ए० पास करते ही इन्होंने 'सरस्वती' पत्रिका में अपनी रचनाएँ प्रकाशित कराना प्रारम्भ किया। बाद में 'सरस्वती' पत्रिका के अतिरिक्त अन्य पत्र-पत्रिकाओं में भी इनकी रचनाएँ प्रकाशित होने लगीं। बख्शीजी ने 1920 ई० से 1927 ई० तक बड़ी कुशलता से 'सरस्वती' का सम्पादन किया। कुछ वर्षों तक इन्होंने 'छाया' मासिक पत्रिका का भी सम्पादन बड़ी योग्यता से किया। इन्हें हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा 1949 में साहित्य वाचस्पति की उपाधि से अलंकृत किया गया। साहित्य का यह महान् साधक 27 दिसम्बर, 1971 ई० में परलोकवासी हो गया।

प्रमुख रचनाएँ- बख्शी जी की कृतियों का विवरण इस प्रकार है-

- **निबन्ध संग्रह-**'प्रबन्ध-पारिजात', 'पंचपात्र', पद्मवन', 'मकरन्द बिन्दु', 'कुछ बिखरे पन्ने', 'मेरा देश' तीर्थरेणु, यात्री, तुम्हारे लिए, 'तीर्थ-सलिल' आदि हैं। इनके निबन्ध जीवन, समाज, धर्म, संस्कृति और साहित्य के विषयों पर लिखे गये है।
- **कहानी-संग्रह-'झ**लमता', 'अंजलि'
- काव्य-संग्रह-'शतदल और अश्रुदल, इनकी प्रमुख काव्य संग्रह हैं।
- आलोचना- हिन्दी-साहित्य विमर्श, 'विश्व-साहित्य, हिन्दी उपन्यास साहित्य, हिन्दी कहानी साहित्य, साहित्य शिक्षा, आदि इनकी श्रेष्ठ आलोचनात्मक पुस्तकें हैं।
- सम्पादन- 'सरस्वती' और 'छाया'